ଗଳ୍ପ କଥନ, ଗୀତ, ଭୂମିକା ଅଭିନୟ ଏବଂ ନାଟିକା: ନିମ୍ନ ପ୍ରାଥମିକ ଭାଷା ଏବଂ ସାକ୍ଷରତା

ଓଡ଼ିଆ (ହିନ୍ଦି ସହିତ)
ଧାରାବିବରଣୀ: ନୂଆ ଧାରଣା ଓ ଭାଷାକୁ ଛୋଟ ପିଲାଙ୍କ ସହ ପରିଚିତ କରାଇବା ପାଇଁ କାହାଣୀ ହେଉଛି ଭଲ ଉପାୟ। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: बच्चों, एक चूहा था। बहुत ही नटखट और बड़ा ही चालाक। कुछ न कुछ शरारत करने का उसका मन हमेशा करता था।** ଧାରାବିବରଣୀ: ଏହି ପ୍ରାଥମିକ ଭାଷା ଶ୍ରେଣୀରେ, ଜଣେ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ତାଙ୍କ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଗୋଟିଏ ଅତି ଜଣାଶୁଣା କାହାଣୀ ପୁଣି ଥରେ କହନ୍ତି। କାହାଣୀଟି ସେ ମନେ ରଖିଛନ୍ତି ଏବଂ ପ୍ରପ୍ ବ୍ୟବହାର କରି ତାକୁ ନାଟକୀୟ ଢଙ୍ଗରେ କହନ୍ତି। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ:** ये क्या है? ये काहे का फोटो है? **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ:** चूहा। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ:** सबको दिखाई दे रहा है? **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ:** हाँ। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ:** क्या है ये? **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ:** चूहा। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ:** किस किस के घर में चूहे हैं? **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୧:** हमारे। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ:** अरे वाह! चूहा क्या करता है घर में? **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୨:** चूहे भागते हैं, और कतरते हैं कपड़ा। **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୩:** कपड़े कतर देता है। **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୪:** Ma'am, हमारे घर के कपड़े कतरता है। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ:** कपड़े कतर देता है? **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ:** हाँ। **ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ:** कैसे बोलता है चूहा? **ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ:** चींईईई... ଧାରାବିବରଣୀ: ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ତାଙ୍କର କାହାଣୀ କହିବା ସାମର୍ଥ୍ୟ ବଢ଼ାଇବା ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ କୌଶଳ ବ୍ୟବହାର କରିବା ବେଳେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କର ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ଦେଖନ୍ତୁ।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: एक चूहा था। बहुत नटखट, बड़ा शरारती। जैसे आप लोग शरारत करते हो न?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: हाँ

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: ऐसे ही चूहा शरारत करता था। एक बार उसने सोचा कि, "क्यों न मैं शहर जाऊँ?" बारिश के दिन में - अपने बिल में बैठे बैठे - bore हो गया।

ଧାରାବିବରଣୀ:

ଏହି କାହାଣୀଟି ଗୋଟିଏ ଦୁଷ୍ଟ ମୂଷାର କାହାଣୀ, ଯେ କି ସହରକୁ ଜିନିଷ କିଣି ବାହାରିଲା, କିନ୍ତୁ ତା' ପାଖରେ ଆଦୌ ଟଙ୍କା ନ ଥିଲା। ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ କାହାଣୀକୁ ଅଧିକ ଉପଭୋଗ୍ୟ ଓ ଭାବ ଆଦାନପ୍ରଦାନ କରିବା ପାଇଁ ଏଥିରେ ଅଙ୍ଗଭଙ୍ଗୀ, ପ୍ରଶ୍ନ ଏବଂ ଗୀତ ବ୍ୟବହାର କରୁଛନ୍ତି।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: और उसके पैर के नीचे से निकल के, और बैठ गया वहाँ पर, है ना?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: हाँ।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: अब वो दुकानदार ने देखा "ओह! ये तो चूहा है! ये कहाँ से आ गया?" है ना?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୪: हाँ जी।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: तो फिर, उसने क्या किया होगा?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ୪: उसने... भगाया होगा।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: उसने भगाया होगा। उसने कहा, "भाग यहाँ से। चूहे, तू यहाँ से भाग।" तो उसने क्या जवाब दिया होगा?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: "मैं नहीं भागूँगा।"

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: उसने कहा, "मैं नहीं भागूँगा। मैं नहीं भागूँगा! मैं नहीं भागूँगा। मैं नहीं भागूँगा!"

चूहे ने कैसे गाना गाया? "रातों रात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।" कैसै करा? आप बताओ।

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: "रातों रात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।"

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: दुकानदार बहुत डर गया। उसने सोचा, "ये तो रात में, मेरे कपड़े काट देगा, आ के।" तो, उसने कहा, "चूहे भैया, चूहे भैया, तुम ये कपड़े ले जाओ, और ये..." उसने एक रेशमी कपड़ा चूहे को दिया, और कहा कि, "ये तुम ले जाओ, और अब तुम मेरे कपड़े नहीं काटना, रात में आ के। ठीक है?" चूहा खुश हो गया। अब वो चूहा कपड़े सिलवाने कहाँ जाएगा? टोपी सिलवाने के लिए?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: दर्ज़ी के पास।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: कहाँ जाएगा?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: दर्ज़ी के पास।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: हाँ। तो उसने कहा, “भागो यहाँ से। मैं तुमको कपड़े सिल के नहीं दूँगा।" फिर उसने गाना गाना शुरू कर दिया।

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: “रातों रात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।”

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: दर्ज़ी ने उसको टोपी सिल दी। अब वो टोपी उसने पहनी। तो टोपी उसने पहन के देखा, तो देखा काहे में देखा उसने? आइने में देखा। ऐसे देखा फिर ऐसे देखा फिर ऐसे देखा। अब वो कैसा लगा होगा?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: अच्छा।

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: कैसा लगने लगा होगा, टोपी पहन कर?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: अच्छा।

ଧାରାବିବରଣୀ:

ଆପଣଙ୍କ ଶ୍ରେଣୀଗୃହ ବାହାରେ ଶିକ୍ଷାଦାନ କରିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପାଇଁ ଆରାମଦାୟକ ଏବଂ ଉଦ୍ଦୀପନାପୂର୍ଣ୍ଣ ହୋଇପାରେ। ଆପଣ ଯେତେବେଳେ ପରବର୍ତ୍ତୀ କାହାଣୀ କହିବେ ସେତେବେଳେ ଏହି ଭିଡିଓରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଚିନ୍ତାଧାରା ବ୍ୟବହାର କରୁ ନାହାନ୍ତି କାହିଁକି?

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: अच्छा, ये बताओ, आपको ये कहानी कैसी लगी?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: बहुत अच्छी!

ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ: आपको मजा आया?

ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ: हाँ!